सक्षिप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम "कैप्सूल कोर्स ऑन डायग्नोस्टिक अल्ट्रासोनोग्राफी एण्ड रेडियोलाजी" का उद्घाटन

बरेली 11 दिसम्बर। भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ऑल इंडिया नेटवर्क प्रोग्राम ऑन डायग्नोस्टिक इमेजिंग एण्ड मेनेजमेंट ऑफ सर्जिकल कंडीशंस इन एनीमल्स द्वारा प्रायोजित एक 6 दिवसीय सक्षिप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम "कैप्सूल कोर्स ऑन डायग्नोस्टिक अल्ट्रासोनोग्राफी एण्ड रेडियोलाजी" का उद्घाटन हुआ। इस प्रशिक्षण में हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र तथा उत्तराखण्ड, के 22 पशु चिकित्साधिकारी भाग ले रहे हैं।

उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं संस्थान के निदेशक डा. राजकुमार सिंह ने कहा कि इस प्रशिक्षण से जुड़े प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक बहुत अनुभवी हैं। ये न सिर्फ रेफरल पॉलीक्लीनिक में विभिन्न रोगों से ग्रसित पशुओं का इलाज करते हैं बल्कि पशु स्वास्थ्य शिविरों में भी भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं के विभिन्न रोगों का निदान किया जाता है और इसलिए हमें अल्ट्रासाउण्ड रेडियोलॉजी, एवं सोनोग्राफी की आवश्यकता होती है। ऐसे में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का आयोजन फील्ड में कार्यरत पशुचिकित्सा अधिकारियों को इस विषय में शिक्षित करने तथा क्षेत्र स्तर पर इसका उपयोग बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने पशुचिकित्साधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में फीड बैक देने की सलाह दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम से सम्बन्धित एक कम्पेडियम का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहनिदेशक एवं शल्य चिकित्सा विज्ञान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डा मुजम्मल हक ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से आये पशुचिकित्साधिकारी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को एक्सरे व अल्ट्रासाउण्ड को डाइग्नोसिस में कैसे प्रयोग करना, तथा सैद्धांतिक व्याख्यानों सहित प्रायोगिक सर्जरी के बारे में बताया जायेगा। प्रशिक्षुओं को संस्थान के रेफरल पॉलीक्लीनिक में विभिन्न पशुओं के विभिन्न तरह की शल्य चिकित्सा को देखने तथा उसमें भाग लेने का अवसर भी मिलेगा।

इससे पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह निदेशक डॉ. अभिषेक सक्सेना ने कार्यक्रम का

संचालन करते हुए पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी इस 6 दिवसीय पाठ्यक्रम से अवश्य ही लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर शल्य चिकित्सा विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डा. प्रकाश किंजवेडकर, डा. अभिजीत पावड़े., डा. रेखा पाठक, किरनजीत सिंह पॉलीक्लीनिक के डा. संजीव मेहरोत्रा सहित विभाग के छात्र एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।